Department of Hindi

Programme Specific Outcome (PSO) and Course Outcome (CO)

Programme Specific Outcome (PSO):

The programme enables the student

PSO1: To be aware of the origin of our language, nation, literature and heritage

PSO2: To express anything in a fluent and correct language

PSO3: To criticize literacy pieces

PSO4: To collect and analyze linguistic formats.

Course Outcome (CO)

1st Semester

Paper	Module and Topic	Module specific CO
हिंदी साहित्य का इतिहास **BAHIN MJ 101** **&** **BAHIN MN 101**	***इकाई : एक*** साहित्येतिहासलेखनकीपरंपरा । कालविभाजनऔरनामकरण । ***इकाई : दो*** आदिकालीनकाव्य : सामाजिक-सांस्कृतिक, राजनैतिकऔरसाहित्यिकपृष्ठभूमि। आदिकालीनसाहित्य : प्रमुखप्रवृत्तियाँ। सिद्धसाहित्य, नाथसाहित्य, जैनसाहित्य, रासोकाव्य, लौकिककाव्य। आदिकालीनगद्य : सामान्यपरिचय। ***इकाई : तीन*** भक्तिकाल : सामाजिक-सांस्कृतिक, राजनैतिकतथासाहित्यिकपृष्ठभूमि प्रमुखनिर्गुणकवि प्रमुखसगुणकवि। भक्तिकालकीप्रमुखप्रवृत्तियाँ। भक्तिकालीनकाव्यकीविविधधाराएँ : निर्गुणकाव्यधारा(संतकाव्य, सूफीकाव्य), सगुणकाव्यधारा(रामभक्तिकाव्य,कृष्णभक्तिकाव्य) । ***इकाई : चार*** रीतिकालकीसामाजिक-सांस्कृतिक, राजनैतिकऔरसाहित्यिकपृष्ठभूमि। रीतिकालकीप्रमुखप्रवृत्तियाँ। रीतिकालीनकाव्यधाराएँ : रीतिबद्ध, रीतिसिद्धएवंरीतिमुक्त।	C 1. विद्यार्थी 10वीं शताब्दी से अब तक के सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक और विशेष रूप से साहित्यिक सन्दर्भों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। C -2 दसवीं शताब्दी से लेकर 14 वीं शताब्दी तक के साहित्य का विकासात्मक परिचय प्राप्त होगा । -बौद्ध , जैन , नाथ एवं रासो साहित्य की विशिष्टताओं और भाषा की विविधता का ज्ञान होगा । C -3 भारतीय लोक जागरण का विहंगम परिचय प्राप्त कर सकेंगे । संत , सूफी, कृष्ण काव्य , राम काव्य के विकास और उसकी

	<u>इकाई : पाँच</u> भारतेन्दुयुगीन साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ द्विवेदीयुगीन कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद तथा समकालीन कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ **<u>इकाई : छः</u>** हिंदी गद्य : उद्भव और विकास कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध	प्रासंगिकता की समझ विकसित होगी । मैथली,भोजपुरी ,अवधी ,बृज तथा राजस्थानी बोलियों से विशिष्ट परिचय प्राप्त होगा । C -4 सामंती परिवेश में साहित्य की प्रकृति में बदलाव की समझ विकसित होगी । राज्याश्रय में साहित्य के केंद्र में श्रंगार रस की प्रधानता क्यों होती है , शिल्प में भी पच्चीकारी कैसे विकसित होती है इसे समझना संभव होगा । C -5 भारतीय समाज में आधुनिकता और नवजागरण के आगाज को समझ सकेंगे । हिंदी खड़ी बोली के मानक रूप के निर्माण की प्रक्रिया से परिचित हो सकेंगे । 18 50 ईसवी से लेकर अब तक के हिंदी काव्यान्दोलनों की समझ विकसित हो सकेगी । C -6 हिंदी गद्य के उद्भव और विकास से परिचय होगा ।

		हिंदी साहित्य की चार प्रमुख विधाओं -निबन्ध, नाटक, उपन्यास, कहानी के उद्भव और विकास से परिचित हो सकेंगे
हिंदी व्याकरण और सम्प्रेषण **MIL COMMUNICATION)** **AECCH101**	**<u>इकाई-1:</u>** काल, क्रिया,अव्यय एवं कारक का परिचय । उपसर्ग, प्रत्यय ,संधि तथा समास **इकाई-2** : शब्द शुद्धि , वाक्य शुद्धि ,मुहावरे और लोकोक्तियाँ । पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द ,अनेक शब्दों के लिए एक शब्द, पल्लवन और संक्षेपण । **<u>इकाई-3:</u>** संप्रेषण की अवधारणा और महत्त्व संप्रेषण के प्रकार **<u>इकाई- 4 :</u>** अध्ययन, वाचन और चर्चा: प्रक्रिया और बोध साक्षात्कार, भाषण कला एवं रचनात्मक लेखन	C -1 विद्यार्थी हिन्दी व्याकरण के अंग - उपांगों की समझ विकसित कर सकेंगे। C -2 हिन्दी भाषा के शुद्ध उच्चारण और लेखन में सक्षम हो सकेंगे। मुहावरे, लोकोक्तियों का मर्म और उचित प्रयोग करना सीख पाएंगे । किसी भी भाव को संक्षेप में या विस्तार से प्रस्तुत कर पाने की कला में निपुण होंगे C-3हिन्दी भाषा की संप्रेषणीयता से परिचित हो सकेंगे। संप्रेषण के महत्व को समझ सकेंगे । C-4-हिन्दी में परिचर्चा करने और साक्षात्कार लेने की क्षमता का विकास होगा। भाषण के साथ ही रचनात्मक लेखन की क्षमता विकसित होगी ।

कार्यालयी हिंदी **BAHINSE101**	इकाई-1:कार्यालयी हिंदी : विविध स्वरूप इकाई:2-प्रशासनिक पत्राचार : सरकारी पत्र , अर्द्धसरकारी पत्र, कार्यालय ज्ञापन, अनुस्मारक, निविदा, परिपत्र, अधिसूचना । इकाई-3: कार्यालयी हिंदी में अनुवाद की भूमिका कार्यालयीन अनुवाद । इकाई-4: कार्यालयी और साहित्यिक अनुवाद में अंतर, अनुवाद की समस्याएं ।	C -1 कार्यालयी हिन्दी के स्वरूप और प्रयोग क्षेत्र को जान सकेंगे। C -2 प्रशासनिक पत्राचार के प्रारूप और उनके प्रयोग संदर्भों को समझ सकेंगे। सारी व्यवस्था को सुचारु रूप से चलाने के लिए आवश्यक अधिसूचना , निविदा, ज्ञापन , परिपत्र अनुस्मारक आदि के कथ्य और भाषा से परिचित हो सकेंगे । C -3 भारत एक बहु भाषिक देश है अतः विभिन्न राज्यों की भाषाओं से और हिंदी से अंग्रेजी सहित भारतीय भाषाओं में अनुवाद की भूमिका से परिचित हो सकेंगे। C -4 प्रत्येक अनुशासन की अपनी परिभाषिक शब्दावली होती है । अनुवाद करते समय इन बातों का ध्यान रखना होता है । अतःविद्यार्थीकार्यालयी और साहित्यिक अनुवाद में अंतर समझ सकेंगे । इस तरह से वे अनुवाद में आने वाली समस्याओं से भी परिचित हो सकेंगे

		|
पत्रकारिता **BAHINMDC-101**	**इकाई**1-. हिंदी पत्रकारिता का उद्भव और विकास **इकाई .2** प्रिंट माध्यम की पत्रकारिता : चुनौतियाँएवं उपलब्धियाँ । **इकाई**3-. इलेक्ट्रानिकमाध्यम की पत्रकारिता : चुनौतियाँ एवं उपलब्धियाँ । **इकाई4-**. साहित्यिकपत्रकारिता एवं पीतपत्रकारिता |	1. हिंदी पत्रकारिता के विकास से परिचित हो सकेंगे । 2. प्रिंट माध्यम की पत्रकारिता की उपलब्धियों और उसके समक्ष आने वाली चुनौतियों की समझ विकसित होगी , 3. इलेक्ट्रॉनिकमीडिया के विविध पक्षों - रेडियो, टेलीविज़न , सोशल मीडिया के विविध रूपों की उपलब्धियों और चुनौतियों को समझने में समर्थ होंगे । 4. विद्यार्थी . साहित्यिक पत्रकारिताऔरपीत पत्रकारिता की प्रकृति और उसके इतिहास से परिचित हो सकेंगे ।

2nd Semester

Paper	Module and Topic	Module specific CO
आदिकालीन एवं मध्य कालीन काव्य BAHINMJC201 & BAHINMNC201	**इकाई : एक** **विद्यापति** **इकाई: दो** **कबीर** **इकाई: तीन** **तुलसीदास** **इकाई: चार** **सूरदास** **मीराबाई** **इकाई: पांच** **बिहारी** **घनानंद** **इकाई: छः** **भूषण**	C -1 विद्यापति की पदावली से विद्यार्थी परिचित हो सकेंगे । मैथली भाषा का समुचित ज्ञान संभाव होगा । C-2 संत काव्य से परिचय प्राप्त होगा । कबीर साहित्य की बानगी के माध्यम से मध्यकालीन कविता की तेजश्विता को समझना संभव होगा । C -3 राम काव्य परंपरा का ज्ञान संभव होगा । तुलसीदास की रचनाओं की बानगी के माध्यम से लोकमंगल की साधनावस्था से परिचय प्राप्त होगा C-4 कृष्ण काव्य परंपरा से परिचय प्राप्त होगा। सूरदास की कविताओं की बानगी के माध्यम से लोकमंगल की सिद्धावस्था का बोध होगा। हिंदी की आरंभिक कवयित्री मीराबाई के लेखन के माधायम से भक्तिकाल में स्त्री स्वर की बानगी मिलेगी । रीतिकालीन समय के भावबोध को समझने में सहायता मिलेगी । बिहारी के दोहों की बानगी के माध्यम से रीति सिद्धि काव्य की समझ विकसित होगी । घनानंद के पदों के माध्यम से रीतिमुक्त काव्य की समझ विकसित

		होगी । रीतिकालीन समय में भूषण ही इकलौते कवि हैं जिन्होने वीररस की रचनाएँ की । इनकी रचनाओं की बानगी से रीतिकाल के इस पक्ष से भी परिचय प्राप्त होगा।
सोशल मीडिया BAHINSE201	इकाई-1 : इंटरनेट, विकीपीडिया, यू ट्यूब, फेसबुक	C -1 वर्तमान समय में सोशल मीडिया का प्रयोग बहुतायत में हो रहा है ऐसे में इस पाठ के माध्यम से विद्यार्थी विकिपीडिया , यू ट्यूब ,फेसबुक आदि पर उपलब्ध सामाग्री से परिचित हो सकेंगे साथ ही स्वयं भी इन माध्यमों का सक्रिय उपयोग करने में सक्षम हो सकेंगे ।
	इकाई-2 : हिंदी वेबसाइट और ब्लॉग लेखन इकाई-3 : सोशल मीडिया एवं वेब मीडिया : प्रभाव इकाई-4 : ट्विटर, इंस्टाग्राम, व्हाट्सऐप, टिंडर	C-2 इस इकाई का मूल उद्देश्य विद्यार्थियों को हिन्दी की वेबसाइट और ब्लॉग लेखन से परिचित कराना है । C-3 इस इकाई में सोशल मीडिया और वेब मीडिया का समाज पर पड़े प्रभाव का अध्ययन किया जाएगा । C-4 ट्विटर , इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप , टिंडर जैसे सोशल मीडिया समूहों के बारे में भी विद्यार्थियों की समझ विकसित हो सकेगी।
अनुवाद विज्ञान BAHINMDC201	इकाई-1 : अनुवाद का अर्थ ,परिभाषा इकाई-2 : अनुवाद का स्वरूप और क्षेत्र इकाई-3 : अनुवाद प्रकृति और प्रकार इकाई-4 : अनुवाद सीमाएं और महत्व	C:1-इस इकाई में भिन्न भिन्न विदवानो के द्वारा अनुवाद की व्यापक परिभाषा से पाठक लाभान्वित होंगे | C:2- आज विज्ञान केबदलते हुए विश्व में प्रोधोगिकी , चिकित्सा , कृषि ,व्यापार में हो रहे नवीन अविष्कार के साधन से सभी परिचित होंगें|

		C:3- इस इकाई में अनुवाद के विभिन्न प्रकारों को समझने में सुविधा मिलेगी | C:4- वर्तमान समय में अनुवाद की जो सीमाएं है और अनुवाद के माध्यम से दुसरे विकसित देशों के साथ जो हमारे व्यापार और समबन्ध स्थापित हुए है उससे इस महत्व को भी विद्यार्थी समझ पाएँगे |

3rd Semester

PAPER	Module and Topic	Module specific CO
भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा BAHHINC 301	इकाई-1: भाषा: परिभाषा, भाषा और बोली | भाषा विज्ञान सामान्य परिचय, भाषा विज्ञान के अंग,अध्ययन की पद्धतियां इकाई 2 -ध्वनि विज्ञान : परिभाषा, ध्वनि उच्चारण के अव्यय, ध्वनि का वर्गीकरण तथा ध्वनि परिवर्तन की दिशाएं इकाई3- हिंदी भाषा का विकास, हिंदी भाषा परिवार के विभिन्न बोलियों, सामान्य परिचय, खड़ी बोली हिंदी का विकास **इकाई-4** : हिंदी के विभिन्न रूप: राष्ट्रभाषा, राजभाषा और संपर्क भाषा, हिंदी का मानकीकरण	C-1 :विद्यार्थी इस इकाई में भाषा के अर्थबोध,भाषा और बोली की भेदकता के साथ साथ भाषा विज्ञान के अंग और उसके अध्ययन की पद्धतियों से परिचित हो सकेंगे । C -2 : इसमें ध्वनि विज्ञानकीपरिभाषा उसके उच्चारण तथा ध्वनि परिवर्तन कीदिशाओं का निर्धारण वैज्ञानिक प्रक्रिया के तहत समझा जायेगा | C -3 :इस इकाई में हिंदी भाषा के क्रमिक इतिहास के साथ बोलियों का एक सामान्यज्ञानखासकर मद्यकालीन खड़ी बोली से अब तक की बोलियों का ज्ञानविद्यार्थीयों में विकसित होगा ।

		C-4 :इस इकाई का मूल उद्देश्यहिंदी के विभिन्न रूप,राष्ट्रभाषा, राजभाषा और संपर्क भाषा के एक समृद्ध स्वरुप से विद्यार्थीयों को परिचित कराना है |
छायावादोत्तर हिंदी कविता BAHHINC 302	**इकाई-1** : दिनकर रश्मिरथी तृतीय सर्ग| अज्ञेय : कलगी बाजरे की नदी के द्वीप| **इकाई-2** : मुक्तिबोध: चांद का मुंह टेढ़ा है | नागार्जुन : प्रतिबद्ध हूं बहुत दिनों के बाद| **इकाई-3** : धूमिल: रोटी और ससद, गांव | रघुवीर सहाय: आत्महत्या के विरुद्ध,खड़ी स्त्री **इकाई-3:** अरुण कमल : अपनी केवल धार, पुतली में संसार अनामिका: जन्म ले रहा एक नया पुरुष एक, नमक	C:1- दिनकर की कविताओं को पढ़कर विद्यार्थी उनके ओज और ओदात्य एवं वीर रस की प्रधानता के साथ उनकी प्रगतिवादी भावनाओं से परिचित होंगे वहीं अज्ञेय की प्रयोगधर्मिता को भी पाठक जानेंगे | C:2- इस इकाई में मुक्तिबोध के फंतासी के साथ शोषितों से गहरा लगाव, तो दूसरी तरफ नागार्जुन के प्रगतिवादी कविता में चित्रित अन्याय, शोषण एवं अत्याचार के विरोधी मजदूरों के हिमायती कवि से पाठक परिचित होंगे | C:3- धूमिल की कविता सत्ता,वयवस्था की यथार्थता की पोल खोलती है तो रघुवीर सहाय की प्रगतिशीलता से भी विद्यार्थी अपने ज्ञान को विकसित करेंगें | C:4- अरुण कमल की कविता में आधुनिक मनुष्य खासकर किसानों के श्रम,संघर्ष,चाह को जानने का

		मौका मिलता है तथा अनामिका की कविता स्त्री की सशक्त आवाज से पाठक लाभान्वित होंगे
हिंदी नाटक और एकांकी **BAHHINC 303**	**इकाई-1:** ध्रुवस्वामिनी: जयशंकर प्रसाद **इकाई-2:** आधे अधूरे: मोहन राकेश इकाई-3 बकरी: सर्वेश्वर दयाल सक्सेना	C:1- ध्रुवस्वामिनीस्त्री समस्या केंद्रित विवाह मुक्ति एवं पुनर्विवाह पर आधारित नाटक है जिससे आज के विद्यार्थी वर्तमान बोध को साझा कर पाएँगे| C:2 - आधे अधूरे नाटक के द्वारा विद्यार्थी मद्यावार्गीय जीवन की विडंबना,बिखराव को समझ पाएँगे | C:3- इस नाटक के माध्यम से विद्यार्थी भूमंडलीकरण के दौर में आम आदमी की वयथा,पीड़ा,भ्रषटाचार से परिचित होंगे|
सोशल मीडिया BAHINSE301	इकाई-1 : इंटरनेट, विकीपीडिया, यू ट्यूब, फेसबुक इकाई-2 : हिंदी वेबसाइट और ब्लॉग लेखन इकाई-3 : सोशल मीडिया एवं वेब मीडिया : प्रभाव इकाई-4 : ट्विटर, इंस्टाग्राम, व्हाट्सऐप, टिंडर	C -1 वर्तमान समय में सोशल मीडिया का प्रयोग बहुतायत में हो रहा है ऐसे में इस पाठ के माध्यम से विद्यार्थी विकिपीडिया , यू ट्यूब ,फेसबुक आदि पर उपलब्ध सामाग्री से परिचित हो सकेंगे साथ ही स्वयं भी इन माध्यमों का सक्रिय उपयोग करने में सक्षम हो सकेंगे । C-2 इस इकाई का मूल उद्देश्य विद्यार्थियों को हिन्दी की वेबसाइट और ब्लॉग लेखन से परिचित कराना है ।

		C-3 इस इकाई में सोशल मीडिया और वेब मीडिया का समाज पर पड़े प्रभाव का अध्ययन किया जाएगा । C-4 ट्विटर , इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप , टिंडर जैसे सोशल मीडिया समूहों के बारे में भी विद्यार्थियों की समझ विकसित हो सकेगी।
पत्रकारिता **BAHHINGE 304**	**इकाई**1-. हिंदी पत्रकारिता का उद्भव और विकास **इकाई .2** प्रिंट माध्यम की पत्रकारिता :चुनौतियाँएवं उपलब्धियाँ । **इकाई**3-. इलेक्ट्रानिकमाध्यम की पत्रकारिता : चुनौतियाँ एवं उपलब्धियाँ । **इकाई4-**. साहित्यिक पत्रकारिता एवं पीतपत्रकारिता |	5. हिंदी पत्रकारिता के विकास से परिचित हो सकेंगे । 6. प्रिंट माध्यम की पत्रकारिता की उपलब्धियों और उसके समक्ष आने वाली चुनौतियों की समझ विकसित होगी , 7. इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के विविध पक्षों -रेडियो, टेलीविज़न , सोशल मीडिया के विविध रूपों की उपलब्धियों और चुनौतियों को समझने में समर्थ होंगे । विद्यार्थी . साहित्यिक पत्रकारिताऔरपीत पत्रकारिता की प्रकृति और उसके इतिहास से परिचित हो सकेंगे ।
आधुनिक हिन्दी कविता **BAPHINC 301**	इकाई-1 :जयशंकर प्रसाद :पेशोला की प्रतिध्वनि, झरना, जलद आहवान, विधि विभावरी जागरी, अरुणयह	C :1- विद्यार्थी जयशंकर प्रसाद की कविताओं में रहस्यवाद के माध्यम से आधुनिक मनुष्य एवं उसके

	मधुमेह देश हमारा,जगती की मंगलमयी उषा वन इकाई- 2 : सूर्यकांत त्रिपाठी निराला : जागो फिर एक बार, गरम पकौड़ी,भिक्षुक, स्नेह निर्झर बह गया, संध्या सुंदरी, राजे ने रखवाली की इकाई- 3 :सुमित्रानंदन पंतः आ धरती कितना देती है, ग्रामश्री, स्त्री,द्रुत झरो, प्रथम रश्मि इकाई- 4 :**अज्ञेय :**मैंने आहु ति बनकर देखा,सांप,उड़ चल चल हारिल,कलगी बाजरे की,आंगन के पार द्वार, नदी के दीप	संघर्ष की पहचान कर पाएँगे | C:2- विद्यार्थी निराला के ओज,उदात के साथ अन्याय,शोषण एवं अत्याचार के प्रहरी व उनके प्रगतिवादिता के भाव को समझ पाएँगे | C:3- विद्यार्थी पन्त की कविताओं के द्वारा प्रकृति के मूर्त रूप को यहाँ समझ पाएँगे | C:4- यहाँ अज्ञेय की कविताओं के द्वारा उनकी प्रयोगधर्मिता के साथ आधुनिक मनुष्य संघर्षो को समझने में सहू लियत मिलेगी |
चलचित्र लेखन **BAPHINSEC 301**	इकाई- 1: भारतीय सिनेमा का इतिहास इकाई- 2: विगत शताब्दी की लोकप्रिय हिंदी फिल्में इकाई- 3 : हिंदी पटकथा लेखन का क्रमिक विकास इकाई- 4 : हिंदी की विश्व व्याप्ति में फिल्मों की भूमिका	C:1- इस इकाई में भारतीय सिनेमा का इतिहास जानने का मौका पाठक को मिलेगा | C:2- इस इकाई में भारत की लोकप्रिय फिल्मों से विद्यार्थीयों को कुछ सिखने व जानने का मौका मिलेगा | C:3 - इस इकाई में हिंदी पटकथा लेखन का क्रमिक विकास का इतिहास पता चलेगा | C:4- वर्तमान समय में पुरे विश्वा में फिल्मों के पचार प्रसार से विद्यार्थी परिचित हो पाएँगे |

हिंदी भाषा और संप्रेषण **BAPHINAECC** **MIL**	इकाई- 1: संप्रेषण के मूल तत्व : संप्रेषण का अर्थ ,रूप ,प्रयोजन इकाई-2 :उच्चरित और लिखित भाषा की प्रकृति ,भेद इकाई-3 : **आंगिक भाषा और सम्प्रेषण** **इकाई-4 : भाषिक कला के विभिन पक्ष**	C:1- इस इकाई में सम्प्रेषण के अर्थ प्रयोजन और रूप को जानने में विद्यार्थ्यों को सुविधा मिलेगी । C:2- यहाँ उच्चरित और लिखित भाषा की प्रकृति ,भेद को जाना जायेगा । C:3 - इस इकाई में **आंगिक भाषा और सम्प्रेषण को पाठक समझ पाएँगे ।** **C:4- विद्यार्थी इस इकाई से सम्प्रेषण की भाषा के विभिन पहलुवओं से परिपरिचित हो पाएँगे ।**

4TH Semester

PAPER	Module and Topic	Module specific CO
प्रयोजनमूलक हिंदी **BAHHINC401**	**इकाई1-**प्रयोजनमूलक हिंदी अर्थ, उपयोगिता और प्रयोग क्षेत्र **इकाई- 2** : प्रशासनिक पत्राचार: सरकारी पत्र, अर्ध सरकारी पत्र, कार्यालय ज्ञापन और अनुस्मारक,निविदा परिपत्र,अधिसूचना **इकाई- 3** : कार्यालयी हिंदी में अनुवाद की भूमिका, **इकाई- 4** : कार्यालयी अनुवाद की समस्याएं एवं चुनौतियां	**C : 1 विद्यार्थी** इस इकाई से प्रयोजनमूलक हिंदी अर्थ, उपयोगिता और प्रयोग क्षेत्र को समझ पाएँगे । C:2 -इस इकाई में प्रशासनिक पत्राचार लेखन के विभिन्न पारूप जैसे सरकारी पत्र, अर्ध सरकारी पत्र, कार्यालय ज्ञापन और अनुस्मारक,निविदा परिपत्र,अधिसूचना को लिखने की समझ विकसित होगी । C:3- वर्तमान कार्यालयी हिंदी में अनुवाद की भूमिका को यहाँ समझने में

		विद्यार्थियों को सुविधा मिलेगी | C:4- इस इकाई में आज के समय में अनुवाद की समस्याएं एवं चुनौतियां पर विस्तार से पाठक बात कर सकेंगे |
हिंदी कहानी **BAHHINC402**	**इकाई- 1 :** प्रेमचंद: सवा शेर गेहूं जयशंकर प्रसाद: गुंडा **इकाई- 2 :** जैनेंद्र :पत्नी अज्ञेय : शरणदाता **इकाई- 3 :** उषाप्रियंवदा: वापसी अमरकांत: दोपहर का भोजन **इकाई- 4 :** उदय प्रकाश: दरियाई घोड़ा संजीव: घर चलो दुलारी बाई	C:1- प्रेमचंद सामंतवादी वयवस्था में पिस रहे कर्ज न चुका पाने वाले किसान के द्वारा समस्त किसान के शोषण से पाठक को रुबरु कराया है तो वहीं प्रसाद अपनी कहानी में प्रेम करुणा,आनंद और सामाजिक मर्यादाओं के साथ आदर्शवाद की सिख विद्यार्थी को देते है| C:2- पत्नी और शरणदाता कहानियो के बहाने दो मनोवैज्ञानिक कथाकारों को भी जानने का मौका पाठक को मिलता है| C:3- उषाप्रियंवदाऔर अमरकांत जैसे कहानीकारों के द्वरा निम्न माध्यवर्गीय परिवार की आर्थिक विपन्नता की यथार्थता, वर्तमानमध्यवर्गीय पारिवारिक विसंगतियों और दो पीढियों के विखराव से विद्यार्थी परिचित होंगे | C :4- दरियाई घोड़ा आज

		की युवा कहानी की ताजगी का बैरोमीटर है तो वही संजीव अपनी कहानी से पित्सतामक वयवस्था और नारी के द्वारा पाठक को वर्तमान बोध से रुबरु करते है |
कार्यालय हिंदी BAHHINSEC 401	**इकाई- 1** : कार्यालयी हिंदी विविध स्वरूप **इकाई- 2** : प्रशासनिक पत्राचार :सरकारी पत्र, कार्यालयी ज्ञापन,अनुस्मारक, निविदा, परिपत्र, अधिसूचना, **इकाई- 3** : कार्यालयी हिंदी में अनुवाद की भूमिका, कार्यालयी अनुवाद **इकाई- 4** : कार्यालयी और साहित्य का अनुवाद में अंतर अनुवाद की समस्याएं	C : 1 **विद्यार्थी** इस इकाई में कार्यालयी हिंदी: अर्थ, उपयोगिता और प्रयोग क्षेत्र को समझ पाएँगे | C:2 - इस इकाई में प्रशासनिक पत्राचार लेखन के विभिन्न पारूप जैसे सरकारी पत्र, अर्ध सरकारी पत्र, कार्यालय ज्ञापन और अनुस्मारक,निविदा परिपत्र,अधिसूचना को लिखने की समझ विद्यार्थियों में विकसित होगी | C -3 भारत एक बहु भाषिक देश है अतः विभिन्न राज्यों की भाषाओं से और हिंदी से अंग्रेजी सहित भारतीय भाषाओं में अनुवाद की भूमिका से परिचित हो सकेंगे। C -4 प्रत्येक अनुशासन की अपनी परिभाषिक शब्दावली होती है । अनुवाद करते समय इन बातों का ध्यान रखना होता है । अतःविद्यार्थी कार्यालयी और साहित्यिक अनुवाद में अंतर समझ सकेंगे । इस तरह से

		वे अनुवाद में आने वाली समस्याओं से भी परिचित हो सकेंगे ।
हिंदी का वैश्विक परिदृश्य **BAHHINGE 401**	**इकाई- 1 :** भाषाओं का वैश्विक परिदृश्य **इकाई- 2 :** हिंदी का वैश्विक परिदृश्य **इकाई- 3 :** जन माध्यमों में हिंदी **इकाई- 4 :** 21वीं सदी में हिंदी की चुनौतियां	इकाई 1,2 - इन दोनों इकाई के अंतर्गत हिंदी भाषा का आज जो वैश्विक स्तर पर बोलबाला है इससे विद्यार्थी की हिंदी के प्रति एक व्यापक दृष्टी विकसित होगी | C:3- यहाँ जन संचार अर्थात हिंदी धारावाहिक, न्यूज़, नाटक जैसे चैनल आज जिस तरह से हिंदी का मान बढ़ा रहे है इससे विद्यार्थी परिचित होंगे | C: 4- वर्तमान समय में हिंदी भाषा के साथ सरहद के इस पार या उस पार अंग्रेजी भाषा के समक्ष हिंदी भाषा के अस्तित्व को बचाएं रखना कम चुनौती भरा नहीं है जिससे आज के विद्यार्थी संघर्ष कर रहे है |
हिन्दी गद्य साहित्य **BAPHINC401**	**इकाई- 1 : कहानी : बेटों वाली विधवा - प्रेमचन्द** **सदाचार की ताबीज - हरिशंकर परशाई** **इकाई- 2 : उपन्यास : दौड़ - ममता कालिया** **इकाई- 3: नाटक - भारतेन्दु**	C:1-इस इकाई में बेटों वाली विधवा और सदाचार की ताबीज कहानी से पाठक परिचित होंगें C:2 - विद्यार्थी दौड़ उपन्यास के माध्यम से भूमंडलीकरण में युवा पुरुष

	हरिश्चंद्र **इकाई- 4 : आत्मकथा - जूठन (भाग -1)**	के जीवन संघर्ष से संघर्षवान बनेगें | C:3- C:4- दलित जाति में जन्मे लेखक के निजी अनुभव के साथ भारतीय जाति प्रथा ,सवर्ण मानसिकता और आरक्षण जैसे सवालो तथा उससे मुक्ति की परिकल्पना से विद्यार्थी प्रभावित होते है |
सम्भाषण कला **BAPHINSEC 401**	**इकाई- 1:** सम्भाषण कला **इकाई- 2:** संभाषण के महत्वपूर्ण सिद्धांत **इकाई- 3:** अच्छे वक्ता के गुण **इकाई- 4:** प्रमुख वक्ताओं का संभाषण कला नामवर सिंह चित्रा मुद्गल	C1 - इस इकाई में भाषण की विभन्न कलाओं कको पाठक पढ़ेंगे | C2 - यहाँ संभाषण के कुछ मूल्यवान सिधान्तों से विद्यार्थी परिचित हिंगे C3- भाषण के लिए एक अच्छे वक्ता के क्या क्या गुण होते है इस की जानकारी इस इकाई से विद्यार्थी उठा पाएँगे | C4- इस इकाई में कुछ प्रमुख वक्ताओं के संभाषण कला जैसे नामवर सिंह ,चित्रा मुद्गल के संभाषण से विद्यार्थी लाभान्वित होंगे |

5TH Semester

PAPER	Module and Topic	Module specific CO
भारतीय काव्यशास्त्र **BAHHINC 501**	**इकाई- 1** :काव्य लक्षण, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन **इकाई- 2** :शब्द शक्तियां : अभिधा व्यंजना, लक्षण **इकाई- 3** :रस सिद्धांत: रस निष्पत्ति, साधारणीकरण **इकाई- 4:** सिद्धांत इतिहास और परिचय : अलंकार ध्वनि रीति	C:1- इस इकाई में काव्य की प्रयोजनीयता के लिए काव्य लक्षण, काव्य हेतु , काव्य प्रयोजन के द्वारा विद्यार्थी अपनी समझ को विकसित कर पाएँगे । C:2- इस इकाई में काव्यशब्द शक्तियों से सभी परिचित होंगे C:3- इस इकाई से रस के सिद्धांत, रस निष्पत्ति, साधारणीकरण को विद्यार्थी समझ पाएँगे । C:4- यहाँ विद्यार्थी काव्य की शोभा बढ़ाने वाले सिद्धांत अलंकार ध्वनि रीति के प्रयोग को जन पाएँगे ।
पाश्चात्य काव्यशास्त्र **BAHHINC502**	**इकाई- 1:** प्लेटो :काव्य लोचन, अरस्तु: अनुकरण विवेचन, त्रासदी **इकाई- 2 :लोनजाइनस : उद्दात सिधांत** वर्ड्सवर्थ: काव्य भाषा **इकाई- 3 :** वस्तुनिष्ठ समीकरण एवं लिए रिचर्ड्स का मूल्य सिद्धांत एवं संप्रेषण सिद्धांत **इकाई- 4:** स्वतंत्रता मनोविश्लेषणवाद	C:1- इस इकाई में पाश्चात्य चिन्तक प्लेटो के काव्य लोचन, अरस्तु का अनुकरण विरेचन, त्रासदी को समझने का मौका मिलेगा। C:2- यहां विद्यार्थीलोनजाइनस के उदात सिद्धांत के द्वारा काव्य संबंधी भाव और विचारों की श्रेष्ठता तथा वर्ड्सवर्थ की काव्य भाषा को समझ पाएंगे।

		C:3- जिस वस्तु से हमारी अधिक से अधिक इच्छाओं तुष्टी हो सकती है वह सर्वाधिक मूल्यवान होता है जिसे रिचर्ड्स मूल्य सिद्धांत में बताते हैंऔर संप्रेषण एक सामान्य क्रिया मात्र है जिसे दो व्यक्तियों के बीच अनुभूति होती है जिसे हम आई रिचर्ड्स संप्रेषण सिद्धांत के माध्यम से पाठक को अवगत कराते है | C:4- इस इकाई में स्वच्छंदतावाद और मनोविश्लेषणवाद के माध्यम से काव्य को देखने,समझने, पढ़ने की शक्ति विद्यार्थियों के बीच विकसित होगी|
हिंदी व्याकरण **BAHHINDSE503**	**इकाई- 1:** हिंदी व्याकरण : संधि तथा समास, क्रिया विशेषण **इकाई- 2** : शब्द शुद्ध, वाक्य शुद्ध, मुहावरे और लोकोक्तियां **इकाई- 3** :अनेक शब्दों के लिए एक शब्द,विराम चिन्ह **इकाई- 4**:छंद (चौपाई, दोहा,सोरठा), अलंकार अनुप्रास, यमक, रूपक,उत्प्रेक्षा	C -1 **विद्यार्थी हिन्दी व्याकरण में** संधि तथा समास, क्रिया विशेषण **के अंग -उपांगों की समझ विकसित कर सकेंगे।** C -2 **हिन्दी भाषा के शुद्ध उच्चारण और लेखन में सक्षम हो सकेंगे।** **मुहावरे, लोकोक्तियों का मर्म और उचित प्रयोग करना सीख पाएंगे ।** C:3- **किसी भी भाव को संक्षेप में या विस्तार से**

		प्रस्तुत कर पाने की कला में निपुण होंगे C:4- इस इकाई के अंतर्गत काव्य में प्रयुक्त होने वाले छंद,अलंकार से विद्यार्थी लाभान्वित होंगे |
पुस्तक समीक्षा **BAHHINDSE504**	**इकाई- 1** : समीक्षा की अवधारणाएं स्वरूप तथा विशेषताएं **इकाई- 2** : हिंदी साहित्य में पुस्तक समीक्षा का इतिहास **इकाई- 3:** पुस्तक समीक्षा के प्रतिमान **इकाई- 4:** हिंदी के किसी एक पुस्तक की समीक्षा अकाल में सरस : केदारनाथ सिंह अथवा त्यागपत्र :जैनेंद्र कुमार	C:1- इस इकाई में समीक्षा की अवधारणाएं, स्वरूप तथा विशेषताएं से पाठक परिचित होंगे | C:2 - विद्यार्थी इस इकाई में समीक्षा के इतिहास को जानेंगे | C:3 - यहाँ पर पुस्तक समीक्षा के प्रतिमान को समझने का मौका मिलेगा | C:4- इस इकाई में विद्यार्थी अकाल में सारस अथवा त्यागपत्र पर अपनी समीक्षा प्रस्तुत करेंगें |
छायावादोत्तर हिंदी कविता **BAPHINDSE 501**	**इकाई- 1 :अज्ञेय : कलगी** बाजरे की, उड़ चल हरिल **इकाई- 2** :नागार्जुन : अकाल और उसके बाद, प्रेत का बयान **इकाई- 3**: रघुवीर सहाय:स्त्री, आपकी हंसी, किताब पढ़ कर रोना **इकाई- 4** : केदारनाथ सिंह : दाने पानी में गिरे हुए लोग	C:1- अज्ञेय की प्रयोगधर्मिता को भी पाठक जानेंगे | C:2- नागार्जुन के प्रगतिवादी कविता में चित्रित अन्याय, शोषण एवं अत्याचार के विरोधी मजदूरों के ह्मियायती कवि से पाठक परिचित होंगे | C:3,4- इन दोनों इकाई में रघुवीर सहाय और केदारनाथ सिंह की कविताओ से

		विद्यार्थी परिचित होंगे |
प्रयोजनमूलक हिंदी BAPHINGE 501	इकाई 1- प्रयोजनमूलक हिंदी हिंदी का अर्थ और उपयोगिता और प्रयोग क्षेत्र इकाई:2- प्रशासनिक पत्राचार: सरकारी पत्र सरकारी पत्र कार्यालय ज्ञापन अनुस्मारक निविदा परिपत्र अधिक सूचना इकाई 3- कार्यालय हिंदी में अनुवाद की भूमिका इकाई 4 कार्यालय अनुवाद की समस्याएं एवं उसकी चुनौतियां	**C : 1 विद्यार्थी** इस इकाई से प्रयोजनमूलक हिंदी अर्थ, उपयोगिता और विभिन क्षे में प्रयोगको समझ पाएँगे | C:2 - इस इकाई में प्रशासनिक पत्राचार लेखन के विभिन्न पारूप जैसे सरकारी पत्र, अर्ध सरकारी पत्र, कार्यालय ज्ञापन और अनुस्मारक,निविदा परिपत्र,अधिसूचना को लिखने की समझ विकसित होगी | C:3- वर्तमान कार्यालयी हिंदी में अनुवाद की भूमिका को यहाँ समझने में विद्यार्थियों को सुविधा मिलेगी | C:4- इस इकाई में अनुवाद की समस्याएं एवं चुनौतियां पर विस्तार से विद्याथी बात कर सकेंगे |
अनुवाद विज्ञान BAPHINSEC503	इकाई 1- अनुवाद का अर्थ, परिभाषा इकाई:2- अनुवाद का स्वरूप और क्षेत्र इकाई 3- अनुवाद प्रकृति और प्रकार इकाई 4- अनुवाद सीमाएं और महत्व	C:1-इस इकाई में भिन्न भिन्न विदवानो के द्वारा अनुवाद की व्यापक परिभाषा से पाठक लाभान्वित होंगे | C:2- आज विज्ञान के बदलते हुए विश्व में प्रोधोगिकी , चिकित्सा , कृषि ,व्यापार में हो रहे नवीन अविष्कार के साधन से सभी परिचित होंगें | C:3- इस इकाई में अनुवाद

		के विभिन्न प्रकारों को समझने में सुविधा मिलेगी । C:4- वर्तमान समय में अनुवाद की जो सीमाएं है और अनुवाद के माध्यम से दुसरे विकसित देशों के साथ जो हमारे व्यापार स्थापितहुए है उससे इस महत्व को भी विद्यार्थी समझ सकेंगे ।

6th Semester

Paper	Module and Topic	Module specific CO
हिंदी निबंध एवं अन्य गद्य विधाएं BAHHINC601	इकाई:1 रामचंद्र शुक्ल: भय , हजारी प्रसाद द्विवेदी: अशोक के फूल इकाई: 2 विद्यानिवास मिश्र : बसंत आ गया कोई उत्कंठा नहीं, रामविलास शर्मा: निराला का अपराजेय व्यक्तित्व इकाई:3- महादेवी वर्मा : जंग बहादुर,राहुल सांकृत्यायन: विद्या और वय इकाई:4- मैत्री पुष्पा: कस्तूरी कुंडल बसे,फणीश्वर नाथ रेणु : सरहद के उसपार	C:1- इस इकाई में रामचंद्र शुक्ल और हजारी प्रसाद द्विवेदी के निबंधों का विश्लेषण विद्यार्थी करेंगे । C:2- यहाँ विद्यानिवास मिश्र के निबंध तथा रामविलास शर्मा द्वारा लिखीगई आलोचना पुस्तक निराला की साहित्य साधना में निराला के ब्यक्तिव से पाठक परिचित होंगे । C:3- इस इकाई में महादेवी वर्मा की कहानी और राहुल सांकृत्यायन के घुमक्कड़ी ब्यक्तिव को जानने का मौका मिलेगा । C:4- विद्यार्थी यहाँ मैत्री पुष्पा के आत्मकथात्मक उपन्यास कस्तूरी कुंडल बसे में स्त्री मुक्ति संघर्ष की व्यक्तिगत कथाओ को

		जानेंगे तो वही रेणु अपनी कहानी सरहद के उस पार अर्थात् नेपाल के जीवन की कथा से पाठक रुबरु होंगे |
हिंदी आलोचना BAHHINC502	इकाई:1- हिंदी आलोचना का प्रारंभ और द्विवेदी युगीन आलोचना इकाई:2- आचार्य रामचंद्र शुक्ल युगीन आलोचना इकाई 3 शुक्लोत्तर हिंदी आलोचना हजारी प्रसाद द्विवेदी नंददुलारे वाजपेई इकाई 4 प्रगतिशील आलोचना की प्रवृत्तियां और रामविलास शर्मा नामवर सिंह	C:1- इस इकाई में हिंदी आलोचना का जन्म और द्विवेदी युगीन आलोचना से विद्यार्थी परिचित होंगे | C:2- इस इकाई में हिंदी आलोचना खासकर आचार्य रामचंद्र शुक्ल युगीन आलोचना को समझा जायेगा | C:3- यहाँ पर शुक्लोत्तर हिंदी आलोचना में हजारी प्रसाद द्विवेदी, नंददुलारे की आलोचना दृष्टी से पाठक परिचित होंगे | C:4- इस इकाई में आलोचना की प्रगतिशील परंपरा,प्रवृत्तियां और रामविलास शर्मा,नामवर सिंह की आलोचना से समाज को देखने की एक नवीन दृष्टी विद्यार्थियों को मिलेगी |
लोक साहित्य BAHHINDSE 603	इकाई:1- लोक साहित्य की अवधारणाएं स्वरूप एवं विशेषताएं इकाई: 2- लोक साहित्य बनाम शिष्ट साहित्य इकाई:3- हिंदी साहित्य विविध विधाओं कविता एवं	C:1- इस इकाई में लोक साहित्य की परिभाषा , स्वरूप एवं विशेषता को विद्यार्थी समझेंगे | C:2- यहाँ लोक साहित्य बनाम शिष्ट साहित्य के बीच का अंतर समझने का

	कहानी में लोक और उसकी उपस्थिति इकाई:4 लोक साहित्य वर्तमान और भविष्य	मौका मिलेगा | C:3- इस इकाई में साहित्य विविध विधाओं जैसे कविता एवं कहानी में लोक और उसकी उपस्थिति को विद्यार्थी समझ पाएँगे | C:4- इस इकाई में वर्तमान लोक साहित्य के स्वरुप और भविष्य में होने वाले विकास को समझने में सहूलियत मिलेगी |
हिंदी रंगमंच **BAHHINDSE 604**	इकाई:1- हिंदी रंग चिंतन की शुरुआत स्वरूप तथा विशेषताएं इकाई:2- हिंदी रंग चिंतन की परंपरा सैद्धांतिक रचनाकार भारतेंदु जयशंकर प्रसाद,मोहन राकेश, भीष्म साहनी इकाई 3- रंगमंच का सौंदर्य शास्त्र नाटक निर्देशनऔर दर्शन इकाई 4- नाट्य समीक्षा ध्रुवस्वामिनी और कोणार्क	C:1- इस इकाई में हिंदी रंगमंच की परिभाषा , स्वरूप एवं विशेषताएं को विद्यार्थी समझेंगे | C:2-यहाँ हिंदी रंग चिंतन की परंपरा को ध्यान में रखकर सैद्धांतिक रचनाकार भारतेंदु जयशंकर प्रसाद,मोहन राकेश, भीष्म साहनी के नाटक विद्यार्थी को समझने में सहूलियत मिलेगी | C:3- इस इकाई में रंगमंच का सौंदर्य शास्त्र नाटक, निर्देशन और दर्शन को जाना जायेगा |

		C:4- इस इकाई में नाटक की सैद्धांतिकी को समझकर ध्रुवस्वामिनी और कोणार्क नाटक की समीक्षा विद्यार्थी करेंगे |
सूर्यकांत त्रिपाठी निराला BAPHINDSE603	इकाई:1- निराला जीवन और साहित्य इकाई:2- निराला काव्यगत प्रवृत्ति निराला इकाई:3- निराला गांधी जी से बातचीत इकाई 4- निराला- स्नेह निर्झर बह गया पत्रों कंतित जीवन का विश्व बुझा हुआ काव्य	इस पुरे प्रपत्र में निराला के जीवन और साहित्य के साथ साथ उनके युग की काव्यगत प्रवृत्ति, गांधी जी से बातचीत तथा उनके काब्य में वयंजित गरीब,शोषित तबके के लोगो के दुःख दर्द से विद्यार्थी सीधे सीधे जुड़ पाएँगे |
हिंदी सिनेमा BAPHINGEC602	इकाई1- हिंदी सिनेमा का संक्षिप्त इतिहास इकाई: 2- हिंदी सिनेमा और समाज का अंतर संबंध इकाई 3- फिल्म समीक्षा मदर इंडिया तीसरी कसम इकाई 4- हिंदी सिनेमा, आज की भाषा	C:1- विद्यार्थी इस इकाई में हिंदी सिनेमा का जन्म तथा उसके इतिहास से परिचित होंगे| C:2- यहाँ विद्यार्थियों के भीतर हिंदी सिनेमा और समाज का अंतर संबंध समझ में आयेगा | C:3- इस इकाई में कुछ महत्वपूर्ण हिंदी की फिल्मों की समीक्षा करने का मौका पाठक को मिलेगा | C:4- वर्तमान दौर में हिंदी सिनेमा में प्रयुक्त होने वाली भाषा जो हमें ज्यादा आकर्षित करती है यहाँ उस भाषा को समझने की दृष्टी विकशित होगी |

भाषा शिक्षण BAPHINSEC604	इकाई:1- भाषा शिक्षण के सामान्य सिद्धांत इकाई: 2 भाषा शिक्षण की विधियां इकाई:3- हिंदी भाषा पाठ्य पुस्तक चयन और उपयोगिता इकाई 4 व्याकरण शिक्षण का उद्देश्य	C:1- इस इकाई में भाषा शिक्षण के सामान्य सिद्धांत से विद्यार्थी रुबरु होंगे | C:2- यहाँ भाषा शिक्षण की विभिन विधियां को जानने का मौका मिलेगा | C:3- इस इकाई में हिंदी भाषा पाठ्य पुस्तक चयन और उपयोगिता पर विचार किया जायेगा | C:4- यहाँ भाषा शिक्षण में व्याकरण के उद्देश्य से विद्यार्थी परिचित होंगे |